Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher :- Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. FY (SL-Hindi) Sem:- I Course Code :- HIN – 1

Paper Title : - साहित्याभारती - I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	काव्य	1)नए जमाने की मुकरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र 2)नवयुवकों के प्रति - मैथिलीशरण गुप्त 3)जूही की कली - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 4) जागरण - शिवमंगल सिंह सुमन 5)जो बीत गई सो बात गई - हरिवंश राय बच्चन 6) यह दीप अकेला - अज्ञेय	1)समाज में जन्म ले रही विकृतियों पर प्रहार कर समाज में जागृति लाना l 2) नैतिकता के साथ नवयुवकों में देश प्रेम की भावना जागृत करना l 3) स्त्री सुकुमारता का और पुरुष के गर्व का वर्णन कर प्रकृति- प्रेम एवं मानवीकरन की अभिव्यक्ति! 4) शोषण- रहित वर्ग -रहित. समतामूलक समाज निर्माण की प्रेरणा! 5) अतीत को भूल कर वर्तमान के प्रति आशावादी होने की प्रेरणा! 6) व्यक्ति और समाज एक ही सिक्के के दो पहलू है इनके अभिन्न अस्तित्व का दर्शन!
खण्ड – ब	कहानी	1)नशा- प्रेमचंद 2)त्रिवेणी - जैनेंद्र कुमार 3)शरणदाता - अज्ञेय 4)सच बोलने की भूल - यशपाल 5)एष: धर्म सनातन -भीष्म साहनी 6)लड़की की शादी -अमरकांत	1) अयथार्थ से यथार्थ की और लौटने का संदेश! 2) स्त्री चरित्र के उद्घाटन के साथ परिवार के प्रतिअपनी जिम्मेदारी निभाने का अहसास ! 3) जाति -भेद. वर्ण -भेद. की अभिव्यक्ति कर मानवीयता को बरकरार रखने का संदेश! 4) कभी-कभी सच बोलना व्यक्ति के लिए कैसे नुकसान दायी होता है इसे समझाना! 5) अंधविश्वास और अंधश्रद्धा से उपर और महत्वपूर्ण माननीय संबंध है इसे समझाना! 6) मध्यवर्गीय पिता को अपनी कुरूप लड़की के विवाह की समस्या कैसे त्रासद बन जाती है? इसे समझाना और उससे बोध लेना!
खण्ड – क	पारिभाषिक शब्दावली	परिभाषिक शब्दावली	1) उद्योग -व्यवसाय. तकनीकी एवं संचार माध्यमों से जुड़े अंग्रेजी शब्दों की हिंदी पारिभाषिक शब्दावली से अवगत कराना एवं उसकी प्रयुक्ति के लिए प्रोत्साहित करना!

Specify Course Outcome: काव्य और कहानी साहित्य के विकास क्रम प्रवृत्तीयां, संवेदना और शिल्प को ज्ञात करना तथा उनके लेखन के प्रति उन्मुख होना l साहित्य के मध्यम से मानवीय दृष्टिकोण को समझना l

Specify Program Outcome: समाज में दिन – प्रतिदिन उद्भूत हो रही विकृतियो पर प्रहार कर ,उसके निर्मुलन हेतु समाज- जागृति करना, नैतिकता के साथ नवयुवको में देश- प्रेम की भावना जगना , प्रकृति के मध्यम से प्रेम- भाव संबंधो को समझना, वर्ग- रहित, शोषण- रहित समतामूलक समाज-निर्मिती के लिए प्रेरित होना , अतीत को भूलकर वर्तमान के प्रति आशावादी रहने का संदेश, व्यक्ति और समाज की परस्पर पूरकता समझते हुए, समाज में मानुष्य के स्वतंत्र अस्तित्व से ज्ञात होना, झूठ और सच से परीचित होना, स्त्री - चरित्र उदघाटन एवं पारिवारिक जिम्मेदारियो को अहसास को समझना तथा निभाने के लिए प्रेरित होना, सच बोलना भी कभी-कभी व्यक्ति के लिए कैसे नुकसानदायी होता है ? इससे अवगत होना, अंधविश्वास और अंधश्रद्धा से उपर एवं महात्वपूर्व मानवीय संबंध होते हुए, को समझना, मध्यवर्गीय कुरूप लडकी के विवाह की समस्या से त्रस्त पिता की मानसिकता से ज्ञात होना आदि l प्रयोजनमूलक हिंदी में उद्योग-व्यवसाय, तकनिकी एवं संचार माध्यमो से जुडे अंग्रेजी शब्दो की हिंदी पारिभाषिक शब्दावली से अवगत होना और उनकी प्रयुक्ति के लिए प्रोत्साहित होना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. FY (SL-Hindi) Sem:- II Course Code :- HIN – 7

Paper Title : - साहित्याभारती - II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	काव्य विभाग	1) घीन तो नहीं आती है- नागार्जुन 2) लोग टूट जाते हैं - गजल- बशीर भद्र 3) श्रेष्ठ - ओमप्रकाश वाल्मीकि 4) जानकी जान गई - सुशीला टाक भौरे 5) पासे सभी पलट गये - प्रदीप 6) क्या तुम जानते हो - निर्मला पुतुल	1) रोजी-रोटी की तलाश में आए मजदूरों से अथवा परिश्रमी लोगों से घृणा न करना! 2) समसामयिक समस्याओं का बोध! 3) दलित विमर्श की अभिव्यक्ति के साथ जाति - भेद निर्मूलन का संदेश I 4) स्त्री विमर्श दर्शन के साथ स्त्री चेतना की अभिव्यक्ति! 5) वर्तमान समस्या को सुलझाकर उज्जवल भविष्य की कामना का संदेश! 6) पुरुष प्रधान संस्कृति में स्त्री प्रश्नों को उभारकर उसका बोध !
खण्ड – ब	कहानी विभाग	1) रस प्रिया- फणीश्वरनाथ रेणू 2) सुमेर - राहुल सांकृत्यायन 3) स्त्री सुबोधिनी - मनु भंडारी 4) ललमनिया - मैत्रेय पुष्पा 5) नेलकटर - उदय प्रकाश 6) ए गंगा तुम बहती हो क्यों? - विवेक मिश्र	1) लोक कला के प्रति मूल्यों की टकराहट को समझना और लोक कला को जीवित रखने का प्रयास करना! 2) मनुष्य के रूप में मानवतावादी कार्य करने का संदेश तथा समाजका प्रबोधन! 3) भौतिक सुख-सुविधाओं की लालसा एवं सही गलत की पहचान ना होने पर मनुष्य अधोगति की ओर जाने का संदेश! 4) संस्कृति के प्रति समर्पण भाव तथा पुरुष सत्तासत्ताक व्यवस्था का प्रेम जाल से ग्रामीण असहाय. अशिक्षित स्त्री के शोषण को व्यक्त कर. शोषण विरोधी भाव जागृत करना! 5) मां बेटे के स्नेह की भाव अभिव्यक्ति से स्नेह बोध को दृढ़ करने का संकेत! 6) समाज की संकीर्ण मानसिकता जातिगत विषमता का उद्घाटन करते हुए. उसके निर्मूलन का संदेश!
खण्ड – क	प्रयोजन मूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी विज्ञापन लेखन संवाद लेखन सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक पक्ष	1) विज्ञापन एवं संवाद लेखन के कौशल्य से रोजगार शिक्षा का संदेश!

Specify Course Outcome: काव्य एवं कहानी साहित्य की मूल संवेदना और शिल्प को समझना तथा मानवीय मूल्यों से ज्ञात होने l

Specify Program Outcome: कठोर मजदूरी करनेवाले परिश्रमी लोगों से घृणा करना, समसामयिक समस्याओं की अभिव्यक्ति, दलित विमर्श को समझना तथा सामाजिक समानता हेतु जातिभेद निर्मूलन के लिए प्रेरित होना, स्त्री विमर्श के साथ स्त्री चेतना को समझना, वर्तमान समस्याओं को सुलझाते हुए उज्वल भविष्य की कामना करना, पुरुष प्रधान संस्कृति में स्त्री प्रश्नों को उद्घाटित कर उससे बोध लेना लोक कला के प्रति मुल्यों की टकराहट से अवगत होकर, लोक कला को जीवित रखने के लिए प्रेरित होना, मनुष्य के रूप में मानवतावादी कार्य तथा समाजप्रबोधन का संदेश, भौतिक सुख सुविधाओं की लालसा में सही गलत की पहचान न होने पर मनुष्य का अधोगति की ओर अग्रसर होने का संदेश, लोकसंस्कृति के पास प्रति समर्पण भाव तथा पुरुष सत्ताका व्यवस्था का प्रेमजाल के षड्यंत्र से ग्रामीण असाहय, अशिक्षित स्त्री के शोषण की अभिव्यक्ति एवं शोषण विरोधी भाव की जागृति एवं उसके निर्मुलन के लिए प्रेरित होना आदि l प्रयोजनमूलक हिंदी में विज्ञापन एवं सवांद लेखन के सैद्धांतिक और व्यवहारिक पक्ष से विज्ञापन तथा सवांद लेखन कौशल विकसीत कर उससे रोजगार की शिक्षा लेना और रोजगार प्राप्त करना

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY (Opt.-Hindi) **Sem:- I** **Course Code :- HIN – 1**

Paper Title : - कथा साहित्य- I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	उपन्यास विधा	सैद्धांतिक विवेचन : परिभाषा,उद्‌भव, विकास तथा तत्व	उपन्यास विधा की समस्त जानकारी उद्‌भव, विकास एंव तत्वों को समझना
खण्ड – ब	उपन्यास	मुक्ति पर्व - मोहनदास नैमिशराय	दलित विमर्श एवं दलितो की , विभिन्न समस्याओं को समजकर उसका निर्मूलन करना
खण्ड – क	कहानियां	1) मंत्र - प्रेमचंद 2) आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद 3) मक्रिल - यशपाल 4) गैग्रीन - अज्ञेय 5) आखरी सामान- मोहन राकेश 6) ऊपर उठता हुआ मकान- कमलेश्वर	१) वर्तमान में उच्च शिक्षित वर्ग द्वारा सामाजीक समस्याओ को अनदेखा कर अपने कर्तव्य से विमुक होनेकी मानसिकता का उदघाटन २) माननीय प्रेम की अभिव्यक्ती के साथ समाज के समुख आदर्श प्रेम का प्रतिपादन ३)वेस्त जीवन में भी स्वस्थ जीवन का महत्व ४) समाज में एक विवाहित स्त्री को अकेलेपन की समस्या से कैसे रास्ता खोजना है यह समझाना ५)मध्य वर्गीय दांपत्य जीवन के तणाव एवं पती की स्वार्थी प्रवर्ति को समझना ६) पारिवारिक जीवन में उपस्थित पती पत्नी के बीच के तणाव को समजना

Specify Course Outcome: उपन्यास विधा की संपूर्ण जानकारी लेते हुए उसके उद्‌भव, विकास -क्रम एवं तत्वों को समझना तथा उपन्यास- विधा सृजन की ओर आकर्षित होना! उपन्यास और कहानियों के मध्यम से कथा -साहित्य को समझना एवं उसके लेखन के प्रति सोचना।

Specify Program Outcome: उपन्यास विधा का समग्र अध्ययन, सैद्धांतिक विवेचन, ज्ञात करना! मोहनदास नैमिशराय का समस्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व अवगत करते हुए /मुक्तिपर्व/ उपन्यास में अभिव्यक्त दलित- विमर्श तथा दलितों की विभिन्न समस्याओं को समझकर समस्याओं का निर्मूलन करना! जातिगत विषमता से उपर माननीय संबंधों की समझ, हत्या की क्रूरता और प्रेम-भावना के द्वंद्व में प्रेम- मूल्यों का प्रतिपादन, ग्रामीण जीवन की निष्कपटता तथा यथार्थता और प्रेम के प्रति समर्पण, वैवाहिक जीवन में पति -प्रेम से दूर अकेलेपन की त्रासदी को भोगनेवाली विवाहिता की समस्या, मध्यवर्गीय दांपत्य जीवन- संबंधों के विविध कोन एवं स्वार्थी पति का अपनी पत्नी को दाॅव पर लगाने के कड़वे सच का प्रकटीकरण, वर्तमान में बेटों का अपने माता- पिता के प्रति अजनबीपन, उदासीनता तथा परिस्थितिवश वृद्ध पति -पत्नी में निर्माण होती तनाव की अभिव्यक्ति आदि!

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY(Opt.-Hindi) **Sem:- I st** **Course Code :- HIN – 2**

Paper Title : - नाटक तथा एकांकी-II

Unit Number	Unit Name	Topice	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	एकांकी- विधा	परिचय तत्व तथा इतिहास	एकांकी विधा का परिचय, एकांकी में रुचि, और रंगमंच एवं अभिनय के प्रति आकर्षित होना l
खण्ड – ब	नाटक	लड़ाई -सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	समाज में व्याप्त विविध क्षेत्रो में बढते भ्रष्टाचार को समझना एवं उसके विरोध में जनजागृती कर, उसका निर्मूलन करना l
खण्ड – क	एकांकी	1 परिचय - लक्ष्मीनारायण लाल	दिशाहीन होते नवयुवकों को सचेत कर, पथभ्रष्ट होने से दूर करना l
		2 कँवारी धरती – मोहन राकेश	यथार्थ और भावना के संघर्श की अभिव्यक्ति कर, वास्तवता का ज्ञान कराना l
		3. जान से प्यारे – ममता कालिया	वर्तमान के भौतिक युग में नैतिकता का अध:पतन एवं टूटते सबधों को बचाना l
		4.समरथ को नहीं दोष गुसाई – सफदर हाशमी	वर्तमान की भ्रष्ट व्यवस्था को उजागर कर अवसरवादी एवं मुनाफाखोरों से बचने का संदेश l

Specify Course Outcome: नाट्य साहित्य से परिचित होते हुए, समस्तता से एकांकी विधा को समझना तथा अभिनय एवं रंगमंच के प्रति आकर्षित होना l

Specify Program Outcome: भ्रष्टाचार निर्मूलन, दिशाहीन नवयुवकों को प्रथ-भ्रष्टता से दूर करना, वस्तुस्थिति तथा नैतिकता का ज्ञान, अवसरवादी एवं मुनाफाखोरों से बचना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY (Opt.-Hindi) **Sem:- II** **Course Code :- HIN – 3**

Paper Title : - कथा साहित्य- III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	कहानी विधा	सैद्धांतिक विवेचन : परिभाषा,उद्‌भव, विकास तथा तत्व	कहानी विधा से परिचित होकार , कहानी –सृर्जन की ओर उन्मुख होना
खण्ड – ब	उपन्यास	लौटे हुए मुसाफिर – कमलेश्वर	त्रासदी को समझना एवं विभाजन के पश्चात की समस्याओ
खण्ड – क	कहानियां	1) मुखोटा - ममता कालिया 2) टीस - संजीव 3) मुंबई कांड – ओमप्रकाश वाल्मिकि 4) सुरंग - दयानंद बटौही 5) नारी तुम सबला हो – डॉ निहारिका 6) धोखा – रजतराणी मीनु	१) इस कहानी में अपने समय ओर परिवेश को परिभाषित किया है २) आदिवासियो के जीवन –संघर्ष उनके येथार्थ को प्रतिपादित करना ३)दलित आक्रोश की अभिव्यक्ति एवं नये मानवीय मुल्यो की स्थापना ४) दलित छांत्रो की उच्च शिक्षा में आनेवाली विभिन्न समस्याओ को प्रतीपादान करना ५)दापत्य जीवन को समस्या एवं स्त्री –पुरुष सबंध को उजागर करना ६) सहजीवन के दुष्परिणामो एवं विवाह व्यवस्था का प्रतिपादन किया गया है

Specify Course Outcome: कहानी विधा का समस्तता से सैद्धांतिक विवेचन करना और समझना तथा कहां कहानी विधा के उद्‌भव और विकास को ज्ञात करते हुए कहानी लेखन की ओर उन्मुख होना!

Specify Program Outcome: कहानी विधा के सैद्धांतिक विवेचन में कहानी की परिभाषा, स्वरूप और तत्वों से अवगत होते हुये कहानी के उद्‌भव एवं विकास -क्रम को समझना! कमलेश्वर के पूर्ण व्यक्तित्व तथा कृतित्व को ज्ञात करती हुये, उनके 'लौटे हुए मुसाफिर' उपन्यास की संवेदना भारत -पाक विभाजन की त्रासदी तथा विभाजन के पश्चात की समस्याओं को समझना! सवर्णों का असवर्ण मुखौटा धारण कर, अवसरवादी बनकर स्वार्थ -सिद्धि करना, बाजारवाद से प्रभावित युवा पीढ़ी से ज्ञात होना, आदिवासियों का जनजीवन तथा सामंती व्यवस्था द्वारा आदिवासियों के समग्र शोषण से विदित होना, बुद्ध- दर्शन से प्रभावित मानवीय मूल्य एवं दलित अस्मिता के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचार और मानव केंद्रित दलित साहित्य के प्रगल्भ विचारों को समझना, उच्च शिक्षा के शोध - क्षेत्र में पात्रताधारक दलित छात्रों की प्रवंचना और प्रवेशित न होने देने की सवर्ण वर्ण-व्यवस्था को ज्ञात करना, स्त्री -विमर्श, स्त्री -अस्मिता तथा वैवाहिक जीवन में पति -पत्नी संबंध एवं विश्वासघाती पति और पुरुष सोच को समझना, वर्तमान आधुनिक महानगरीय जीवन में सहजीवन के दुष्परिणामों से अवगत होकर, विवाह संस्था का प्रतिपादन करना आदि

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. FY (Opt.-Hindi) Sem:- II[nd] **Course Code :- HIN – 4**

Paper Title : - नाटक तथा एकांकी -IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड - अ	नाटक-विधा	परिचय, तत्व तथा इतिहास	नाटक विधा से परिचित, संवाद -लेखन-वाचन कौशल-तंत्र से परिचित तथा नाटक लेखन के लिए प्रेरित होना l
खण्ड - ब	नाटक	सुनो शेफाली – कुसुम कुमार	नारी-विमर्ष की प्रस्तूति तथा दलित स्त्री के आत्म-सम्मान, स्वाभिमान को समझकर उसके प्रति सम्मान-भाव रखने का बोध l
खण्ड - क	एकांकी	1. गुनाहों की सजा – कर्मशील भारती	जीवन की जटिलताओं से पथभ्रष्ट मनुष्य को गौतम बुध्द के तत्त्वानुसार सही न्यायदान करना l
		2. समर्पित जीवन —सुशीला टाकभौरे	भ्रष्ट शिक्षा-व्यवस्था से पीडित आदर्श शिक्षक के समर्पित जीवन को समझकर भ्रष्टता के निर्मुलन का संदेश l
		3. दहाड उठा था सिंह – अनिता भारती	डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के कृतित्व से अज्ञान, अंधश्रध्दा, अमानवीयता, अशिक्षा का विरोध एवं शिक्षा के महत्व तथा प्रेरणा का प्रप्तिपादन l
		4. वारिस – अशोक कुमार	लडकियों की उपेक्षा न करना और स्त्री-भ्रूण हत्या का विरोध l

Specify Course Outcome: नाट्य साहित्य के संवाद-लेखन-वाचन कौशल-तंत्र से परिचित होकर नाटक-लेखन के लिए प्रेरित होना l

Specify Program Outcome: स्त्री विमर्श तथा दलित स्त्री के स्वाभिमान को समझाते हुए उनके प्रति सम्मान भाव रखना, पथभ्रष्ट मनुष्य को गौतम बुद्ध के तत्व अनुसार सही न्यायदान करना, भ्रष्ट शिक्षा व्यवस्था से पीड़ित आदर्श शिक्षक के समर्पित जीवन को समझाते हुए भ्रष्टता का निर्मूलन करना, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के कृतित्व से अज्ञान, अंधश्रद्धा, अमानवीयता का विरोध एवं शिक्षा का महत्व समझाना लड़कियों की उपेक्षा न करना, स्त्री-भ्रूण हत्या का विरोध आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : -Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A./B.com./B.Sc.SY (SL-Hindi) Sem:- III Course Code :- HIN – 3

Paper Title : - कथेत्तर गद्य - III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	१) निबंध	१) आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्णसिंह	१) आचरण की श्रेष्टता का प्रतिपादन l
	२) रेखाचित्र	२) चीनी फेरीवाला - महादेवी वर्मा	२) समाज में निर्माण विविध समस्याओ का निराकरण कर मानवीय मूल्यों को समझना और समझना l
	३) जीवनी	३) कलम का सिपाही - अमृतराय	३) प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतिव्य को समझकर सृजन के प्रति उन्मुख होना l
	४) आत्मकथा	४) बडोदा का अनुभव - डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर	४) समाज में स्थित निम्न जाति की विविध समस्याओ के प्रकटीकरण से वास्तविकता का ज्ञान करना l
	५) रेखाचित्र	५) मेरा हमदम मेरा दोस्त : कमलेश्वर - राजेंद्र यादव	५) मनुष्य एवं साहित्यकार कमलेश्वर के संपूर्ण जीवन-दर्शन को जानकर उससे मूल्य-बोध लेना l
	६) रिपोर्ताज	६) सुखे चेहेरो का भूगोल - मणिमधुकर	६) राजस्थान की भोगोलिक और सामाजिक परिस्थिति को वस्तुत : समझना l
	७) व्यग्यनिबंध	७) मेरी मौत के बाद - लतिफ घोगी	७) मनुष्य की स्वार्थी प्रवृत्ती को उदघाटित कर, उससे परावृत्त होने का संदेश l
	८) डायरी	८) जाना तो बाहर ही है - मैत्रेयी पुष्पा	८) स्त्री-विमर्श के साथ समाज में स्त्री-चेतना जागृती का बोध l
	९) पत्र	९) पत्र - सरदार भगतसिंह	९) देश के प्रति समर्पन-भाव को जगाना l
	१०) एकांकी	१०) शिवाजी का सच्चा स्वरुप - सेठ गोविंददास	१०) शिवाजी महाराज का स्त्री के प्रति उदात्त भाव समझते हुए, स्त्री-समान का बोध लेना l

Specify Course Outcome: कथेत्तर गद्य की विभिन्न विधाएं: निबंध, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र, एकांकी आदि के स्वरूप और संवेदनाओं को समझना l

Specify Program Outcome: आचरण की श्रेष्ठता का प्रतिपादन, सामाजिक मानवीय मूल्यों को समझना, प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरित होकर साहित्य-सृजन करना, निम्न जाति की विभिन्न समस्याओं को वस्तुतः समझना, मनुष्य एवं साहित्यकार कमलेश्वर के समस्त जीवन-दर्शन से मूल्य-बोध लेना, राजस्थान की भौगोलिक और सामाजिक वस्तुस्थिति को समझना, मनुष्य को स्वार्थी प्रवृत्ति से परावृत्त होना, स्त्री-विमर्श एवं स्त्री-चेतना जागृति का बोध, देश के प्रति समर्पण भाव को जगाना, शिवाजी महाराज का स्त्रियों के प्रति सम्मान-भाव का बोध लेना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. SY (SL-Hindi) Sem:- IV Course Code :- HIN – 4

Paper Title : - नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिंदी - IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	नाटक	जिस लाहौर नहीं देख्या ओ जम्याई नई - असगर वजाहत	असगर वजाहत का व्यक्तिव समझ लेना l भारत-पाक विभाजन के पश्चात देश में आपसी संबंध सौहाद्रता पूर्वक मानवीयता से परिपूर्ण प्रस्तावित करना l
खण्ड – ब	प्रयोजनमूलक हिंदी	इंटरनेट और हिंदी भाषा १) इंटरनेट की उपयोगिता २) वेब सर्चिंग : अर्थ और उपयोगिता ३) ब्लॉग लेखन : स्वरुप और पद्धती ४) ई-मेल, मेलविधी : निर्माण तथा प्रेषण	अंतरजाल का महत्व , उसकी उपयोगिता और कार्य पद्धतियों को समझना तथा उसमें प्रयुक्त हिंदी भाषा ज्ञान को अवगत करना l

Specify Course Outcome: नाटककार असगर वजाहत का व्यक्तित्व -कृतित्व समझते हुए नाटक 'जिस लाहौर नहीं देख्या ओ जम्याइ नहीं' की मूल संवेदना को समझना l प्रयोजनमूलक हिंदी से संबंधित अंतरजाल और उसकी पद्धतियों को ज्ञात करना l

Specify Program Outcome: भारत-पाक विभाजन के समय और पश्यात की मानसिकता से अवगत होना तथा देश में मानवीय संबंधों को स्थापित करना l अंतरजाल का महत्व, उसकी उपयोगिता और कार्य प्रणालियों को समझना एवं अंतरजाल की कार्य पद्धतीयो में प्रयुक्त हिंदी भाषा को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- III** **Course Code :- HIN – 5**

Paper Title : - मध्ययुगीन कविता- V

Unit Number	Unit Name	Topice	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	हिंदी काव्य विकास एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन	1) आदिकाल 2) भक्ति काल 3) रीतिकाल	हिंदी काव्य का उद्‌भव, विकास- क्रम एवं प्रवृत्तियों को समझना l
खण्ड – ब	मध्ययुगीन कवि	1) नामदेव के पद	1) भक्त के रूप में नामदेव को समझाते हुए उनके सत्संगति, समानता, सांप्रदायिकता, आडंबर आदि के प्रति विचारों को ग्रहण कर समाज में इन मूल्यों को स्थापित करना l
		2) कबीर के दोहे	2) रहस्यवादी भक्ति तथा कुसंगति से बचकर सत्संगति के सहवास को आत्मसात करना l
		3) रैदास के साखी	3) भक्त रैदास के जाती -पाती, समानता, सांप्रदायिकता, सद्‌भाव , एकेश्वरवाद के साथ ढोंग , भ्रष्टाचार से बचना तथा परिश्रम की श्रेष्ठता के विचारों को समझना l
		4) रहीम के दोहे	4) सत-संगति का प्रभाव, समर्पण भाव, परोपकार, संयत और मृदु वाणी का महत्व, सहकार्य आदि मनुष्य जीवन के तत्वज्ञान को कृतित्व में लाना l
		5) भूषण के पद	5) भूषण के शिवाजी महाराज की वीरता, देश प्रेम और शौर्य संबंधी भाव को समझकर राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं समर्पण भाव रखने का संदेश l
		6) रसखान के पद	6) रसखान की कृष्ण -भक्ति को समझना l
		7) मीराबाई के पद	7) मीराबाई की कृष्णा के प्रति अटूट आत्मीय प्रेम भक्ति भाव एवं समर्पित भक्ति भाव को समझना l
		8) बिहारी के दोहे	8) बिहारी के दोहों में अभिव्यंजित कृष्ण भक्ति , श्रृंगार, रस-वर्णन, प्रेम प्रवृत्ति, नीति आदि भाव को समझना l

Specify Course Outcome: हिंदी काव्य का उद्भव और आरंभिक तीनों काल आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल में हिंदी काव्य के विकास-क्रम तथा प्रवृत्तियों को समझना l

Specify Program Outcome: मध्य युग के भक्तिकाल एवं रितिकालीन कवियों की, भक्ति, विचार और काव्य-प्रवृत्तियों को समझते हुए उनकी प्रासंगिकता पर ध्यान देना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- III** **Course Code :- HIN −6**

Paper Title : - निबंध तथा कथेत्तर गद्य- VI

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	निबंध विधा का परिचय	निबंध की परिभाषा .निबंध के तत्व	हिंदी निबंध साहित्य का परिचय करना एवं निबंध लेखन की प्रेरणा निर्माण करना
खण्ड – ब	निबंध	१)धोखा - प्रताप नारायण मिश्र २)मन की दृढ़ता- बालकृष्ण भट्ट ३)आंगन का पंछी - विद्यानिवास मिश्र ४)करुणा -रामचंद्र शुक्ल ५)राष्ट्र का स्वरूप - वासुदेव प्रसाद मुदगल	1 समाज के विभिन्न स्तर के लोग किस प्रकार माया, भ्रम , छल एवं धोखा देते हैं इसको समझना 2 सत्य की पहचान करवाना 3 विरासत की पहचान करवाना एवं उसके जिम्मेदारी का प्रतिपादन करना 4 मन के भाव करुणा का विश्लेषण करना 5 राष्ट्र के स्वरूप का परिचय करवाना एंव राष्ट्र संवर्धन के विचारों का प्रतिपादन करना
खण्ड – क	कथेत्तर गद्य	डॉक्टर बरसाने लाल चतुर्वेदी गोपाल प्रसाद मुदगल रेखा चित्र हिंदी साहित्य का बासी पन दूर कर रहा है साहित्य साहित्य दलित साहित्य-डॉ. एन. सिह साक्षात्कार	हिंदी साहित्य की अधुनातन विधाओं का परिचय करवाना एवं उसके लेखन की प्रेरणा निर्माण करना

Specify Course Outcome: निबंध -साहित्य के समस्तता से समझते हुए कथेत्तर गद्य की विधा रेखाचित्र तथा साक्षात्कार विधा से अवगत होना और निबंध -साहित्य के साथ कथेत्तर गद्य विधा लेखन की ओर आकृष्ट होना !

Specify Program Outcome: निबंध- साहित्य के सैद्धांतिक अध्ययन से निबंध विधा को पूर्णताः से समझ लेना! साथ में कथेत्तर गद्य की रेखाचित्र और साक्षात्कार विधा को ज्ञात करना! धोखा देने वाले तथा खानेवाले मनुष्य- प्रवृत्ति को जानना, मनुष्य मन की दृढ़ता को समझते हुए उसके द्वारा जीवन में सफलता प्राप्त करना! प्रकृति और मनुष्य जीवन दोनों के सामंजस्य मैं ही मनुष्य जीवन के भविष्य की सुरक्षितता को ज्ञात करना मनुष्य मन का भाव करुणा को समग्रता से समझना राष्ट्र स्वरूप निर्मिति के घटक भूमि जन एवं संस्कृति से अवगत होकर उनका संवर्धन करना डॉ बरसाने लाल चतुर्वेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझते हुए उनके व्यंग्यकार व्यक्तित्व के विशेषता से ज्ञात करना दलित साहित्य की चेतना ,सार्थकता उपलब्धि और संभावनाओं को समझना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- IV** **Course Code :- HIN – 7**

Paper Title : - आधुनिक कविता- VII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	आधुनिक काव्य का विकास	1) भारतेंदु युग 2) द्विवेदी युग 3) छायावाद 4) प्रगतिवाद 5) प्रयोगवाद 6) नई कविता आदि का संक्षेप में अध्ययन	आधुनिक हिंदी काव्य-विकास को समझना एवं काव्य- लेखन की ओर उन्मुख होना l
खण्ड – ब	आधुनिक कवि	1) पुरुष हो पुरुषार्थ करो, उठो- मैथिलीशरण गुप्त 2) हिमाद्रि तुंग श्रृंग से- जयशंकर प्रसाद 3) सच न बोलना- नागार्जुन 4) मधुशाला- हरिवंशराय बच्चन 5) सॉप के प्रति - अज्ञेय 6) भूल-गलती - गजानन माधव मुक्तिबोध 7) चौदह अप्रैल- कॅवल भारती 8) मेरी यात्रा आज भी जारी है- डॉ. चंद्र कुमार वरठे 9) औरत- रजनी अनुरागी 10) महिलाओं का कार्यक्रम- स्नेहमयी चौधरी 11) इतनी दूर मत ब्याहना बाबा- निर्मला पुतुल 12) रूह बेचैन है इक दिल की- कैफी आज़मी	१) मनुष्य ने दुर्बलता तथा आलस्य को त्यागकर कार्यशील होकर सफलता को प्राप्त करना l २) शूर वीरों के गुणगाण से राष्ट्रप्रेम जगाना I ३) पूँजिवादी व्यवस्था को बेनकाब कर असामाजिक तत्वों से बचने का संदेश l ४) जाति-भेद या वर्णभेद से उपर उठकर मानवीयता के निर्माण का संकेत l ५) आधुनिक बोध को समझते हुए मानवीय स्वार्थी प्रवृति से उपर उठकर वस्तुत: मनुष्य सभ्यता से परिचित होना l ६) निर्भय एवं संकल्पबध्द व्यक्ति सत्ता को चुनौती देने पर सत्ता भी उससे डरती है और भूल-गलतियॉं निःसहाय हो जाती है, को समझना l ७) डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के कार्य-कृतित्व से बोध लेना l ८) अज्ञान और अंधविश्वास तथा वर्णव्यवस्था से मुक्त एवं स्वयंदीप होकर प्रकाश-पथ पर चलने का संदेश l ९) स्त्री आजन्म जिस यंत्रना और यातना से गुजरती है, उसे समझने और समझाने का प्रयास l १०) स्त्री-चेतना को जागृत कर समाज में स्त्रियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण की निर्मिति करना l ११) आदिवासी विमर्श को उदघाटित करते हुए अदिवासी स्त्री या बेटी की पिता के प्रति सोच को समझने का संकेत l १२) गजल के माध्यम से प्रेम की पीडा, उसकी अभिलाशा और भाव-भावनाओं को समझने का संदेश l

Specify Course Outcome: आधुनिक हिंदी काव्य- विकास को समझते हुए छात्रों ने काव्य- लेखन की ओर उन्मुख होकर काव्य-सृजन करना l

Specify Program Outcome: मनुष्य ने कार्यशील होना, राष्ट्रप्रेम की जागृति, पूंजीवादी व्यवस्था का विरोध, जाति-भेद या वर्ण -भेद से उपर मानवीयता, मानवीय स्वार्थी प्रवृत्ति का उद्‌घाटन, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर के कार्य- कृतित्व का उद्‌घाटन, अज्ञान और अंधविश्वास से मुक्त मनुष्य स्वयंदीप पोकर होकर प्रकाश पथ पर चले, स्त्रियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण, आदिवासी- विमर्श विवेचन, प्रेम -पीड़ा और भावनाओं को समझना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S.D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. SY (Opt.-Hindi) **Sem:- IV** **Course Code :- HIN – 8**

Paper Title : - निबंध तथा कथेत्तर गद्य- VIII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	निबंध विधा	निबंध विधा का उद्‌भव और विकास	निबंध विधा एवं कथेत्तर गद्य की यात्रावृत तथा पत्र विधा से अवगत होना l
खण्ड – ब	निबंध	1) शिरीष के फूल- हजारी प्रसाद द्विवेदी 2) तुम्हारी समाज की क्षय - राहुल सांकृत्यायन 3) शोक सभा -- रविंद्रनाथ त्यागी 4) ज्वालामुखी पर खिलता सुमन- श्रीराम परिहार 5) चलो रामलीला मैदान - राम अवतार यादव	1)मनुष्य संकटकालीन स्थिति में भी जीवन में धैर्यता, कर्त्यव्यशीलता, औरों के लिए चिंता आदि मानव रहने चाहिए l 2) विषम-जाती व्यवस्था प्रथा-परंपरा का विरोध एवं यथार्थ का समर्थन और प्रतिपादन l 3) शोक सभा की श्रद्धांजलि द्वारा मनुष्य-स्वभाव का प्रकटीकरण l ४) सत्य और मनुष्यता का दर्शन एवं प्रतिपादन l ५) समाजवादी राजनेता का अडम्बरपूर्ण वास्तव दर्शन l
खण्ड – क	कथेत्तर गद्य	1) देवताओं के आंचल में - यात्राव्रत -अज्ञेय 2)ग्रामोत्थान - पत्र- नानाजी देशमुख	1)कुल्लू की प्राचीन सभ्यता, रिती रिवाज, त्योहारो को समझना और समझाना l 2) गुलामी के पूर्व की न्याय व्यवस्था से अवगत होते हुय उससे वर्तमान में ग्रामोन्नती के मार्ग निकालना l

Specify Course Outcome: निबंध- विधा का समस्तता से उद्‌भव और विकास- क्रम समझना एवं कथेत्तर गद्य से अवगत होकर कथेत्तर गद्य की यात्रावृत्त तथा पत्र विधा को ज्ञात करना एवं लेखन के प्रति प्रेरित होना!

Specify Program Outcome: निबंध साहित्य के उद्‌भव और विकास को पूर्णताः से समझना, कथेत्तर गद्य से अवगत होना, मनुष्य ने संकटकालीन स्थिति में भी अपने जीवन में धैर्यता, कर्तव्यशीलता, औरों के प्रति चिंता आदि मानव- मूल्यों से परिपूर्ण रहना चाहिए, विषम जाति-व्यवस्था, प्रथा- परंपरा का विरोध एवं यथार्थ का समर्थन तथा प्रतिपादन, शोकसभा की श्रद्धांजलि में व्यक्त मनुष्य- स्वभाव के कोनो को जानना, सच्चाई और मनुष्यता के दर्शन को समझना एवं उसका प्रतिपादन करना समाजवादी राजनेता के आडंबरपूर्ण वास्तविक व्यक्तित्व से अवगत होना, कुल्लू की प्राचीन सभ्यता, रीति-रिवाज त्योहारों को समझना, गुलामी के पूर्व की न्याय -व्यवस्था से ज्ञात होकर, उससे वर्तमान में ग्रामोन्नति के मार्ग ढूंढना आदि l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S. D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- V** **Course Code :- HIN – 9**

Paper Title : - हिंदी साहित्य का इतिहास- IX

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	आदिकाल	आदिकाल का परिचय आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियां	हिंदी साहित्य के आरंभिक आदिकाल और आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियां समझना l
	भक्ति काल	1) भक्तिकाल : परिचय 2) निर्गुण भक्ति: ज्ञानश्रयी. प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृतियां 3) सगुण भक्ति: रामभक्ति एवं कृष्ण भक्तिशाखा की प्रवृतियां	भक्तिकालीन परिस्थितियो को समझते हुए भक्तिकाल की विभिन्न भक्ति-धाराओ की प्रवृत्तियों को ज्ञात करना l
खण्ड - ख	रीतिकाल परिचय	रीतिकाल : परिचय, रीतिबद्ध. रीतिसिद्ध .रीतिमुक्त काव्य धारा का संक्षिप्त परिचय	रीतिकाल तथा रितिकालीन विविध काव्य-धाराओ की प्रवृत्तियों को समझना l
	आधुनिक काल	आधुनिक काल : परिचय भारतेंदु युग. द्विवेदी युग. छायावाद. प्रगतिवाद. प्रयोगवाद. नई कविता की प्रमुख प्रवृतियां	आधुनिककाल से परिचित होकर आधुनिक काल की विभिन्न काव्यधाराओ की प्रवृत्तिगत विशेषताओ को समझ लेना l

Specify Course Outcome: हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास से परिचित होकर हिंदी साहित्य -सृजन की पृष्ठभूमि को समझना तथा साहित्यिक प्रवृत्ति- परंपरा से अवगत होते हुए, साहित्य मे अभिव्यक्त जीवनमूल्यों एवं दर्शन का आकलन करना साथ में परिवर्तित भाषा- शिल्प को भी समझना l

Specify Program Outcome: हिंदी साहित्य के आदिकाल, भक्ति काल, रीतिकाल, और आधुनिक काल के साहित्य की प्रेरक परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों तथा रीतिकालीन, आधुनिक कालीन विभिन्न काव्य-धाराओं की प्रवृत्तिगत विशेषताओं से अवगत होना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Mr. S. D. Koreboinwad **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- V** **Course Code :- HIN – 10**

Paper Title : - हिंदी भाषा - X

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	हिंदी भाषा	1) भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप 2) भाषा की विशेषताएं 3) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास	भाषा की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताओ को समझते हुए, हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास को ज्ञात कर लेना l
खण्ड - ख	हिंदी भाषा के विविध रूप	1) प्रयोजनमुलक हिंदी 2) राष्ट्रभाषा 3) राजभाषा 4) संपर्क भाषा	हिंदी के विविध रूपो प्रयोजनमूलक हिंदी ,राष्ट्रभाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी और संपर्कभाषा हिंदी को यथोचितता से समझना l
खण्ड – ग	हिंदी की स्थिति	1) भाषा प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाएं 2) संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी की संवैधानिक स्थिति 3) हिंदी की वैश्विक स्थिति	हिंदी भाषा का प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाओ को ज्ञात करते हुए हिंदी की संवैधानिक और वैश्विक स्थिति को समझना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा के महत्व को समझाते हुए उसके स्वरूप और प्रयुक्ति क्षेत्र से परिचित होना तथा उसकी उपयोगिता को प्रतिपादित करते हुए संवैधानिक स्थिति को समझाना l

Specify Program Outcome: भाषा की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताओं से अवगत होते हुए हिंदी भाषा की उद्‌भव और विकास को समझना! हिंदी भाषा की विविध रूपों की समस्तता जानकारी लेना तथा हिंदी का प्रौद्योगिकी स्वरूप एवं उसकी संभावनाओं से ज्ञात होकर, उसकी संवैधानिक वैश्विक स्थिति का आकलन कराना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- VI** **Course Code :- HIN – 7**

Paper Title : - साहित्य शास्त्र- XI

Unit Number	Unit Name	Topice	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	काव्य	1) काव्य का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप : 2) काव्य के तत्व, 3) काव्य के प्रयोजन, 4) काव्य के हेतु l	काव्य या साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करते हुए, काव्य साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझते हुए, काव्य के तत्व, प्रयोजन और हेतुओं को समझ लेना l
खण्ड – ब	शब्द शक्ति	1) अर्थ , परिभाषा और स्वरूप : 2) शब्द शक्ति के भेद क) अभिधा ख) लक्षणा ग) व्यंजना	शब्द-शक्ति का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, शब्द-शक्ति के अभिधा, लक्षणा, व्यंजना इन तीनों भेद को समझना l
खण्ड – क	आलोचना	आलोचना १) परिभाषा स्वरूप २)आलोचक के गुण	आलोचना की परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, आलोचक के गुणों को समझना l

Specify Course Outcome: काव्य या साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करते हुए उसके महत्व को समझना और शास्त्रीय दृष्टिकोण विकसित करना l

Specify Program Outcome: काव्य साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप को समझना! काव्य के तत्व, प्रयोजन और हेतुओं को ज्ञात करना!, शब्द-शक्ति का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप को समझते हुए, शब्द-शक्ति के तीनों भेद- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना को उनके उपभेदो के साथ समझना! आलोचना की परिभाषा और स्वरूप को ग्रहण करते हुए आलोचक के गुणों को ज्ञात करना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Pratibha G. Yerekar **Department :- Hindi**

Program :- B.A. TY (Opt.-Hindi) **Sem:- VI** **Course Code :- HIN – 7**

Paper Title : - भाषा शिक्षण- XII

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – क	वर्तनी	1) शुद्ध वर्तनी का महत्व 2) शुद्ध वर्तनी के नियम 3) लोकोक्तियां एवं मुहावरों का महत्व और उदाहरण l	भाषा शिक्षण में हिंदी भाषा की वर्तनी को समझते हुए शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं नियमो को ज्ञात करना l लोकोक्तियां एवं मुहावरो का महत्व अवगत करते हुए उनके उदाहरणो को समझना l
खण्ड – ख	समाज माध्यम (Social Media)	1) समाज माध्यम का महत्व 2) समाज माध्यमों का प्रभाव 3) साइबरक्राइम कानून तथा आचार संहिताएँ	समाज माध्यम का महत्व एवं उनके प्रभावो को विदित करना l साइबर क्राईम कानून तथा आचार सहिंताओ को समस्तता से समझ लेना l
खण्ड – ग	सर्जनात्मक व्यक्तित्व	१) महात्मा गांधी २) डॉ . बाबासाहेब आंबेडकर ३) डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम ४) कबीर ५) प्रेमचंद ६) महादेव वर्मा	सृजनात्मक व्यक्तित्व महात्मा गांधी ,डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ,डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, कबीर, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा के समस्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व को ग्रहणकर, उसका महत्व प्रतिपादन करना l

Specify Course Outcome: भाषा शिक्षण में हिंदी भाषा की वर्तनी, शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं उसके नियमों को समझना! भाषा की शुद्धता और कुशलता के द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना l

Specify Program Outcome: भाषा शिक्षण का महत्व, हिंदी भाषा की वर्तनी, शुद्ध वर्तनी का महत्व एवं नियमों को समझना l लोकोक्तियां और मुहावरों की महत्ता तथा उनके उदाहरण को ज्ञात कराना l समाज माध्यम के महत्व एवं उनके प्रभाव को समझना l साइबर क्राइम कानून तथा आचार संहिताओं को पूर्णता समझलेना l सृजनात्मक व्यक्तित्व महात्मा गांधी ,डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ,डॉ एपीजे अब्दुल कलाम, कबीर, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा के पूर्णता व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझकर उसका महत्व प्रतिपादित करना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. SY (SEC-Hindi) Sem:- III Course Code :- HIN – I

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- I

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	पत्र लेखन	1आवेदन पत्र 2 परिवारिक पत्र 3 मांग पत्र 4 शिकायत पत्र 5 सरकारी पत्र	हिंदी कौशल्य विकास की पत्र लेखन कला विधा से पारिवारिक ,व्यवसायिक, सामाजिक और सरकारी पत्राचार से समस्त ता अवगत होना!
खण्ड – ब	कंप्यूटर प्रयोग	1कंप्यूटर सामान्य परिचय 2ईमेल आईडी पंजीकरण 3ईमेल भेजने की विधि 4वेब सर्चिंग (सामग्री खोज)	कंप्यूटर या संगणक उपकरण से परिचित होकर, उसकी इंटरनेट अर्थात अंतरजाल सुविधा से ई-मेल आईडी पंजीकरण एवं प्रेषित - विधि तथा वेब सर्चिंग को समझना l
खण्ड – क	संभाषण कौशल्य	1 अच्छे वक्ता के गुण 2 संभाषण कौशल्य की विषय सूची १) राष्ट्रीय एकता २)भारतीय संस्कृति ३)हिंदी दिवस ४)महिला सशक्तिकरण ५)प्रजातंत्र ६)साहित्य समाज 7)भारतीय त्यौहार ८)मेरा गांव मेरा देश ९)नैतिक मूल्य १०)स्वच्छ भारत	संभाषण कौशल्य से अवगत होते हुए, अच्छे वक्ता के गुणों को ज्ञात करना!

Specify Course Outcome: कौशल विकास क्षेत्र से परिचित होना और उन क्षेत्रों से हिंदी भाषा को कर रोजगार के अवसर प्राप्त करना l साथ ही भाषा कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना!

Specify Program Outcome: कौशल्य विकास की पटकथा लेखन कला को समस्त ता से समझना और रोजगार उपलब्धि की शिक्षा लेना! भाषा कौशल्य से समाचार दूरदर्शन और आकाशवाणी संचार माध्यमों के लिए हिंदी में समाचार- लेखन करना कौशल तंत्र से नगदी रहित व्यवहार समझना आदि! हिंदी कौशल विकास की पत्र लेखन कला विधा से अवगत होकर, उसके विभिन्न पत्र प्रकारों से ज्ञात होना! कंप्यूटर उपकरण से परिचित होना तथा उस पर उपलब्ध इंटरनेट सुविधा से ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, ई-मेल भेजने की विधि तथा वेब सर्चिंग प्रणाली को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. SY (SEC-Hindi) Sem:- IV Course Code :- HIN – II

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- II

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड – अ	पटकथा	पटकथा संकल्पना और स्वरूप संदर्भ- पटकथा मनोहर श्याम जोशी	कौशल्य -विकास की पटकथा लेखन -कला के सैद्धांतिक अध्ययन से ज्ञात होना l
खण्ड – ब	समाचार लेखन	1 समाचार पत्र के लिए समाचार लेखन 2 दूरदर्शन के लिए समाचार लेखन 3 आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन	भाषा कौशल से समाचार, दूरदर्शन और आकाशवाणी के लिए समाचार लेखन करना l
खण्ड – क	नगदी रहीत व्यवहार	1 चेक तथा बैंक प्रणाली द्वारा भुगतान 2 कंप्यूटर इंटरनेट प्रणाली द्वारा भुगतान 3 स्वाइप मशीन द्वारा भुगतान 4 भ्रमणध्वनी द्वारा भुगतान 5 एटीएम द्वारा भुगतान 6 विभिन्न बैंकों के ॲप द्वारा भुगतान	कौशल्य विकास से ही नगदी रहीत व्यवहार को समझना, जिसमें चेक तथा बैंक प्रणाली, कंप्यूटर इंटरनेट, स्वाइप मोबाइल/ भ्रमणध्वनी, एटीएम विविध बैंकों के ॲप आदि के भुगतान को समझना l

Specify Course Outcome: कौशल विकास क्षेत्र से परिचित होना और उन क्षेत्रों से हिंदी भाषा को कर रोजगार के अवसर प्राप्त करना l साथ ही भाषा कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना!

Specify Program Outcome: कौशल्य विकास की पटकथा लेखन कला को समस्त ता से समझना और रोजगार उपलब्धि की शिक्षा लेना! भाषा कौशल्य से समाचार दूरदर्शन और आकाशवाणी संचार माध्यमों के लिए हिंदी में समाचार- लेखन करना कौशल तंत्र से नगदी रहित व्यवहार समझना आदि! हिंदी कौशल विकास की पत्र लेखन कला विधा से अवगत होकर, उसके विभिन्न पत्र प्रकारों से ज्ञात होना! कंप्यूटर उपकरण से परिचित होना तथा उस पर उपलब्ध इंटरनेट सुविधा से ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, ई-मेल भेजने की विधि तथा वेब सर्चिंग प्रणाली को समझना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. TY (SEC-Hindi) Sem:- V Course Code :- HIN—III

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- III

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड — अ	पटकथा लेखन के अंग तथा उदाहरण	1 सिनेमा की पटकथा 2 दूरदर्शन की पटकथा 3 रेडियो की पटकथा	पटकथा के प्रारूप को पूर्णताः से अवगत कर ,भाषा कौशल के द्वारा सिनेमा, दूरदर्शन एवं रेडिओ की पटकथा लिखना l
खण्ड — ब	भाषा कौशल	1 भाषा कौशल की माध्यम- श्रवण, वाचन, लेखन 2 पल्लवन की परिभाषा एवं स्वरूप उदाहरण सहित	भाषा कौशल तंत्र से श्रवण, भाषण, वाचन ,लेखन कला को समझकर संक्षेपण और पल्लवन को यथोचितता से समझना तथा लेखन करना l
खण्ड — क	लेखन की शुद्धता एवं सुंदरता	1 स्वच्छ भारत अभियान 2 बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ 3 जल ही जीवन है 4 पर्यावरण सुरक्षा 5 वर्तमान समय और नैतिक मूल्य	भाषा कौशल्य से लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य विकास से स्वयं छात्रों को कार्य कुशल बनाना रोजगार- शिक्षा क्षेत्र से जुड़ना तथा भाषा कौशल के माध्यम से रोजगार के अवसरों को निर्माण कर राष्ट्र -हित मे योगदान देना l

Specify Program Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य से सिनेमा, दूरदर्शन और रेडियो के लिए पटकथा- लेखन करना, श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन कला को समझना तथा संक्षेपण एवं पल्लवन का यथोचित लेखन करना, साथ में लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l हिंदी भाषा के कौशल तंत्र द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो और दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन की कला को समझना, कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य को ज्ञात करना, पॉवर पॉइंट तथा एम. एस.. वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि को विदित करना, ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व, प्रकार को समझना, इंटरनेट सामग्री- सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन से ज्ञात होना l

Signature of Teacher

Pro Forma For Program and course outcomes 2.6.1

Name of Teacher : - Dr. Prathibha G.Yerekar / Mr. S.D. Koreboinwad Department :- Hindi

Program :- B.A. TY (SEC-Hindi) Sem:- VI Course Code :- HIN—IV

Paper Title : - हिंदी कौशल विकास- IV

Unit Number	Unit Name	Topics	Unit-wise Outcome
खण्ड — अ	विज्ञापन	1 प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण 2 रेडियो के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण 3 दूरदर्शन के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण	हिंदी भाषा कौशल के द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो एवं दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन को समझना l
खण्ड — ब	भाषाई कंप्यूटर	1 कंप्यूटर का हिंदी भाषाई भविष्य 2 हिंदी में पॉवर पॉइंट का महत्व एवं प्रविधि 3 हिंदी में एम.एस.वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि	कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य के भाषा कौशल तंत्र से समझना एवं पॉवर पॉइंट तथा एम. एस. वर्ड एक्सल शीट निर्माण विधि को कुशलता से समझना l
खण्ड — क	ब्लॉग लेखन	1 ब्लॉग लेखन का महत्त्व एवं प्रकार 2 हिंदी में ब्लॉग लेखन की प्रविधि 3 इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन	भाषा कौशल से ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व एवं प्रकार को समझना, तथा भाषाई कुशलता से ही इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यू- ट्यूब पर प्रकाशन करना l

Specify Course Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य विकास से स्वयं छात्रों को कार्य कुशल बनाना रोजगार- शिक्षा क्षेत्र से जुड़ना तथा भाषा कौशल के माध्यम से रोजगार के अवसरों को निर्माण कर राष्ट्र -हित मे योगदान देना l

Specify Program Outcome: हिंदी भाषा कौशल्य से सिनेमा, दूरदर्शन और रेडियो के लिए पटकथा- लेखन करना, श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन कला को समझना तथा संक्षेपण एवं पल्लवन का यथोचित लेखन करना, साथ में लेखन की शुद्धता तथा सुंदरता को ज्ञात करना l हिंदी भाषा के कौशल तंत्र द्वारा प्रिंट मीडिया, रेडियो और दूरदर्शन के लिए विज्ञापन- लेखन की कला को समझना, कंप्यूटर में हिंदी भाषा की स्थिति और उसके भविष्य को ज्ञात करना, पॉवर पॉइंट तथा एम. एस.. वर्ड, एक्सल शीट निर्माण विधि को विदित करना, ब्लॉग लेखन की प्रविधि, महत्व, प्रकार को समझना, इंटरनेट सामग्री- सृजन एवं यू-ट्यूब पर प्रकाशन से ज्ञात होना l

Signature of Teacher